पाठ 5. बैजू बावरा

पाठ का उद्देश्य

यह पाठ बच्चों की प्रश्न करने की कुशलता तथा मौन वाचन के अभ्यास को बढ़ाने के लिए दिया गया है। इस पाठ के माध्यम से बच्चों में देशप्रेम की भावना जागेगी। उन्हें साहसी व वीर बनने की प्रेरणा मिलेगी। बैजू के चरित्र से उनमें त्याग की भावना उत्पन्न होगी। कहानी पढ़ने से उनमें वाचन की आदत का विकास भी होगा।

- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को पाठ का मौन वाचन करने को कहें।
- वाचन करने के बाद बच्चे पाठ पर आधारित प्रश्न निर्माण करेंगे।
- प्रश्न निर्माण करने के बाद उनसे इन प्रश्नों को कक्षा में अपने मित्रों से पूछने को कहें। इस प्रकार वे आपस में तर्क करना सीखेंगे।
- बच्चे इस कहानी को कक्षा में पूर्ण हाव-भाव सहित सुना सकते हैं।

इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की भाषा संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। वे इस कहानी को जब कक्षा में हाव-भाव सहित तथा पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ सुनाएँगें तो इससे उनकी शारीरिक क्रिया संबंधी तथा संगीत एवं लय संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता को विस्तार मिलेगा। प्रश्न निर्माण करने, प्रश्न पूछने तथा उत्तर देने से उनकी सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।